भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *196
दिनांक 31 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एम्स में मरीजों के लिए सुविधाएं

***196. डॉ. आनन्द कुमार गोंड:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश के विभिन्न अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) और स्नातकोत्तर संस्थानों (पीजीआई) में दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले रोगियों और उनके संबंधियों/परिचारकों के लिए उपलब्ध प्रतीक्षा क्षेत्र और आश्रय सुविधाओं का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले अनेक रोगियों और उनके रिश्तेदारों को उपचार या अपॉइंटमेंट की प्रतीक्षा करते हुए कई दिनों तक अस्पताल परिसर से बाहर रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है और उन्हें अत्यधिक गर्मी, कड़ाके की ठंड और वर्षा का सामना करना पड़ता है जिससे उन पर मानसिक, शारीरिक और वित्तीय बोझ पड़ता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का विचार दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले रोगियों के संबंधियों/परिचारकों की सुविधा के लिए बड़े प्रतीक्षालय, विश्राम क्षेत्र, पेयजल, शौचालय और अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में प्रस्तावित कार्य-योजना, समय-सीमा और वित्तीय प्रावधान क्या हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 31 जुलाई, 2026 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *196 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान (पीजीआई) मरीजों और उनके परिचरों के लिए प्रतीक्षालय, आश्रय सुविधाएँ, स्वच्छ पेयजल, शौचालय सहित बुनियादी सुविधाएं तथा अन्य बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध करा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थानों ने अपने रैन बसेरों में मरीजों के परिचरों के लिए किफायती, स्वच्छ, सुरक्षित और सुलभ आवास सुविधाओं की भी व्यवस्था की है।

इन संस्थानों में देशभर के विभिन्न अस्पतालों से आने वाले रेफरल सहित बड़ी संख्या में रोगी आते हैं। नए एम्स में विभिन्न स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं की प्रदायगी में निरंतर विस्तार के कारण बहिरंग रोगी विभाग (ओपीडी) में आने वाले मरीजों तथा अंतरंग रोगी विभाग (आईपीडी) में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। वास्तविक रोगी भार और आवश्यकताओं के आधार पर मरीजों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए रैन बसेरों, प्रतीक्षालयों आदि का विस्तार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

*****